

राजनीतिक

- **क्या किसी राज्य के भाजपा अध्यक्ष को पद से हटाया जा सकता है ?**

भाजपा के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि एक महत्वपूर्ण राज्य के राष्ट्रपति में जल्द ही बदलाव होने वाला है। देखते हैं क्या होता है।

- **भाजपा और कांग्रेस में क्या अंतर है?**

भाजपा लगातार आगे क्यों बढ़ रही है? अनुभवी राजनेताओं का कहना है कि इसका कारण यह है कि भाजपा के पास नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ और अमित शाह जैसे 'पूर्णकालिक' नेता हैं, जबकि कांग्रेस के पास ऐसा कोई नहीं है।

- **क्या राहुल गांधी को किसी दक्षिणी राज्य में समस्या का सामना करना पड़ रहा है?**

कांग्रेस हलकों में दक्षिण के दो नेताओं के बीच कलह की चर्चा चल रही है। राहुल गांधी इस विवाद को कैसे सुलझाएंगे? क्या राहुल गांधी ही इस विवाद को सुलझाएंगे?

- **क्या अखिलेश यादव 2027 के सत्ता संघर्ष के लिए असंतुष्ट नौकरशाहों का सहारा ले रहे हैं?**

लखनऊ के प्रशासनिक गलियारों में दबी आवाज़ों से संकेत मिलता है कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव गुपचुप तरीके से नौकरशाहों से संपर्क साध रहे हैं और उन्हें अपनी शिकायतें बताने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। इसमें रहस्य तब और गहरा जाता है जब अखिलेश के करीबी सहयोगी उदयवीर सिंह ने कथित तौर पर पिछली सपा सरकार के दौरान महत्वपूर्ण पदों पर रहे अधिकारियों के साथ गुप्त बैठकें की हैं। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक विश्लेषक इन घटनाओं का बारीकी से विश्लेषण कर रहे हैं। क्या सपा नेतृत्व केवल प्रशासनिक कलह पर अंदरूनी प्रतिक्रिया जुटा रहा है, या फिर गुपचुप तरीके से एक समानांतर शासन प्रणाली और वफादार नौकरशाही नेटवर्क का निर्माण कर रहा है?

- **प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों से भारत की बचत की पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देने का आग्रह**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से वित्तीय समझदारी और बचत की संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का आह्वान किया है। उनके अनुसार, पारंपरिक भारतीय मूल्य अत्यधिक उपभोग के बजाय सोच-समझकर बचत करने और दीर्घकालिक स्थिरता पर बल देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'खाओ, पियो, मौज करो' (खाओ, पियो और आनंद लो) जैसे मुहावरे से परिभाषित अनियंत्रित भोग-विलास पर केंद्रित मानसिकता भारतीय संस्कृति में निहित नहीं है। वरिष्ठ नेतृत्व से इन सिद्धांतों का समर्थन करने का आग्रह करके, उनका यह बयान आधुनिक आर्थिक आदतों को मितव्ययिता और अनुशासित संसाधन प्रबंधन के पारंपरिक मूल्यों के साथ जोड़ने के प्रयास को उजागर करता है।

प्रशासनिक

- **क्या एम. के. सिन्हा सीबीआईसी के नए सदस्य बनेंगे?**

ऐसी खबरें हैं कि एमके सिन्हा को सीबीआईसी के सदस्य पद के लिए चुने जाने की संभावना है। वे 1993 बैच के आईआरएस (सी एंड सीई) अधिकारी हैं।

- **मध्य प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाना को 1 दिसंबर से शुरू होने वाले तीन महीने का विस्तार मिला**



मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना को 1 दिसंबर, 2026 से शुरू होने वाला तीन महीने का सेवा विस्तार दिया गया है। मकवाना मध्य प्रदेश कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

- **मेघालय के मुख्य सचिव पद पर संपत कुमार के उत्तराधिकारी होने की संभावना**



आईएएस अधिकारी संपथ कुमार (1997 बैच, असम-मेघालय कैडर) मेघालय के मुख्य सचिव शकील पी. अहमद के 30 नवंबर, 2026 को निर्धारित सेवानिवृत्ति के बाद उनके संभावित उत्तराधिकारी के रूप में उभरे हैं। इस घटनाक्रम को पूर्वोत्तर राज्य में एक संभावित वरिष्ठ प्रशासनिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है।

- **ओडिशा के नए कार्यवाहक डीजीपी कौन होंगे?**

सूत्रों के मुताबिक, नियमित डीजीपी की नियुक्ति अभी भी अनिश्चित है; 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी संजीव पांडा या 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी आरपी खोचे ओडिशा के कार्यवाहक डीजीपी होंगे।

- **उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त नौकरशाह और बिल्डर?**

केंद्रीय एजेंसियों को शिकायतें मिली हैं कि उत्तर प्रदेश का एक सेवानिवृत्त नौकरशाह कुछ बिल्डरों से 'चुनाव कोष' के नाम पर यूपी चुनावों के लिए धन एकत्र कर रहा है।

- **क्या आईपीएस अधिकारी यूपीपीएससी के अध्यक्ष बनेंगे?**

ऐसी खबरें हैं कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में एक आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति की जा रही है। 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी आलोक सिंह का नाम चर्चा में है। संजय श्रीनेत की 21 नवंबर को सेवानिवृत्ति के बाद यह पद रिक्त हुआ है।

- **बेटिंग ऐप द्वारा और अधिक अधिकारियों को निशाना बनाए जाने की संभावना**

सूत्रों के मुताबिक, महादेव सट्टेबाजी ऐप और भी अधिकारियों को निशाना बना सकता है। बताया जा रहा है कि पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी ने तीन अधिकारियों के नाम बताए हैं जो पहले एक जांच एजेंसी में तैनात थे। उसने आगे खुलासा किया कि इन तीनों में से दो ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है, जबकि तीसरा, जो आईपीएस में है, अपने ही कैडर में कार्यरत है। शेष दो, जिन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी, आंतरिक सुरक्षा बल (आईआर) से संबंधित थे। अब एजेंसियां आगे की जांच का रास्ता तलाश रही हैं।

- **दीवान नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी**

डॉ. एके दीवान को राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर, नीति बाग, नई दिल्ली (आरजीसीआईआरसी) में सीईओ और मेडिकल डायरेक्टर के रूप में पदोन्नत किया गया है।

- **पंकज राय हिमाचल प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष नियुक्त**

हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (एचपीईआरसी) के नए अध्यक्ष के रूप में 2014 बैच के हिमाचल कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी पंकज राय को नियुक्त किया है।

- **ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री पटनायक और उनके निजी सहायक के खिलाफ जांच के आदेश**

ओडिशा सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन और आईपीएस अधिकारी रवि कांत की 2022-24 के दौरान की गई विदेश यात्राओं की जांच के आदेश दिए हैं।

- **विनायक पांडे पश्चिम मध्य रेलवे में तैनात**

मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) में प्रतिनियुक्ति से लौटने पर, विनायक पांडे को पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) में तैनात किया गया।

गोंडा से जनता दर्शन में आए बच्चे से योगी बोले- बेटा पढ़ लिखकर 'प्रिंस' बनो, क्रिकेट में एडमिशन भी करवा देंगे

मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठाए गए हर व्यक्ति तक पहुंचे, समस्याओं को भी सुना



राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को 'जनता दर्शन' में अलग भूमिका में दिखे। उनके पास कक्षा आठ का छात्र प्रिंस क्रिकेट खेलने के लिए आर्थिक सहायता और कोचिंग उपलब्ध कराने की फरियाद लेकर पहुंचा। मुख्यमंत्री ने उसकी पूरी बात सुनी, फिर 4-5 मिनट तक पास खड़े होकर काउंसलिंग की। मुख्यमंत्री ने कहा, बेटा तुम्हारा नाम प्रिंस है, इसलिए पढ़ लिखकर 'प्रिंस' बनो। हम क्रिकेट में भी तुम्हारा एडमिशन करवा देंगे।

सबसे मिले मुख्यमंत्री, अधिकारियों से बोले- समस्या का समाधान कराइए : मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठाए गए हर व्यक्ति तक पहुंचे, एक-एक कर उनके प्रार्थना पत्र लिए, फिर समस्याओं को भी सुना। मुख्यमंत्री ने पास में खड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण पूरी संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

खूब खेलो लेकिन पढ़ाई-लिखाई भी जरूरी : गोंडा के इटियाथोक के पड़री पारासराय गांव निवासी प्रिंस साहू कक्षा आठ में पढ़ता है। वह सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंच गया। लोगों की फरियाद सुनते-सुनते मुख्यमंत्री प्रिंस के पास पहुंचे। बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री ने आने का कारण पूछा, जिस पर प्रिंस ने बताया कि उसके अंदर बचपन से ही क्रिकेट खेलने का जुनून है। वह क्रिकेट में नाम कमाना चाहता है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण फीस भरने और किट खरीदने में असमर्थ है। इस पर मुख्यमंत्री ने उसकी काउंसलिंग की, कहा कि बेटा अभी कक्षा-8 में हो। खेलने के साथ-साथ मन लगाकर पढ़ाई भी करो और अच्छे नंबरों से यह सत्र उत्तीर्ण करो, फिर हम आपका एडमिशन क्रिकेट की कोचिंग में करा देंगे।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज : मुख्यमंत्री ने समस्या लेकर पहुंचे लोगों से कहा कि चिंता मत करिए। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराएगी। मुख्यमंत्री ने आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। जो भी जरूरतमंद हैं, एस्टीमेट मिलते ही सरकार उनके लिए तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। उन्होंने पुलिस, राजस्व, शिक्षा, बिजली आदि से जुड़ी समस्याओं का प्रार्थना पत्र संबंधित विभागों को प्रेषित कर समाधान के लिए निर्देशित किया।

हर पुलिसकर्मी को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देता है पुलिस ध्वज : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी जवानों व उनके परिजनों को 'पुलिस झंडा दिवस' की शुभकामनाएं दीं। 'पुलिस झंडा दिवस' पर सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुलिस कलर (फ्लैग पिन) लगाया और स्मृति चिह्न प्रदान किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ध्वज कर्तव्यनिष्ठा, अदम्य साहस, अनुशासन और जनसेवा के अटूट संकल्प का गौरवशाली प्रतीक है। 'पुलिस झंडा दिवस' हमारी गौरवशाली परंपरा, अनुशासन, त्याग और बलिदान के संकल्प का स्मरण कराता है। उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों और उनके परिजनों को 'पुलिस झंडा दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह ध्वज प्रत्येक पुलिसकर्मी को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देता है तथा सबके मन में विश्वास व सुरक्षा का भाव सुदृढ़ करता है।

जनता की समस्याओं के समाधान में देरी बर्दाश्त नहीं : पाठक



राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, : लखनऊ : आम जनता की समस्याओं का समाधान केवल आश्वासन तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभावी परिणाम भी सामने आए। इसी संकल्प के साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को अपने आवास पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

जनसंवाद के दौरान लोगों ने अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक और जनहित से जुड़ी समस्याएं उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रत्येक व्यक्ति की बात गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को फोन कर शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनशिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सबकी सेवा, सबका सम्मान ही हमारा ध्येय है। जनसेवा के संकल्प के साथ सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की समस्याओं के समाधान और उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस झंडा दिवस पर एसपी ने फहराया ध्वज, जवानों को दिलाया कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प

बांदा। उत्तर प्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास, शौर्य, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर सोमवार को जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने पुलिस ध्वज फहराया और सलामी दी। इसके बाद पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण का संदेश पुलिसकर्मियों को पढ़कर सुनाया गया। इस अवसर पर एसपी पलाश बंसल ने कहा कि पुलिस झंडा दिवस उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है। लाल और नीले रंग का पुलिस ध्वज शक्ति, निष्ठा, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक है। यह ध्वज पुलिसकर्मियों के आत्मसम्मान और कर्तव्यपरायणता की प्रेरणा है। ध्वज के प्रति सम्मान की भावना उन्हें अपने दायित्वों के प्रति और अधिक समर्पित होने की प्रेरणा देती है तथा नई ऊर्जा का संचार करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस ध्वज उत्तर प्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास और उत्कृष्ट सेवाओं का प्रतीक है।

पुलिस ध्वज की आन-बान-शान का संकल्प, फतेहगढ़ में गूंजा कर्तव्यनिष्ठा का संदेश



राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, फर्रुखाबाद : खाकी की गरिमा केवल वर्दी तक सीमित नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपे साहस, त्याग, अनुशासन और जनसेवा की भावना में निहित है। पुलिस ध्वज इसी गौरवशाली परंपरा और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सोमवार को पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ में इसी गौरव और सम्मान के साथ पुलिस ध्वज फहराया गया। पुलिस कार्यालय फतेहगढ़ और क्षेत्राधिकारी कायमगंज कार्यालय में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को विभाग की प्रतिष्ठा बनाए रखने और जनसेवा के संकल्प को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया।

पुलिस कार्यालय फतेहगढ़ में अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस ध्वज फहराया। वहीं क्षेत्राधिकारी कायमगंज ने अपने कार्यालय में ध्वजारोहण कर उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक की ओर से जारी संदेश को पढ़कर सुनाया गया। संदेश के माध्यम से पुलिस बल की गौरवशाली परंपराओं, कर्तव्यनिष्ठा और जनसुरक्षा के प्रति समर्पण की भावना को रेखांकित किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ध्वज विभाग के सम्मान, शौर्य, साहस और अनुशासन का प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक पुलिसकर्मी का नैतिक और विभागीय दायित्व है। पुलिस की वास्तविक प्रतिष्ठा उसके अधिकारों और वर्दी के प्रभाव से नहीं, बल्कि उसके निष्पक्ष आचरण, ईमानदार कार्यशैली और जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार से स्थापित होती है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को प्रेरित किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों से पीछे न हटें और आमजन के बीच पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत बनाएं। साथ ही पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए ध्वज के सम्मान को सदैव अक्षुण्ण रखने का संकल्प दोहराया। पुलिस झंडा दिवस का यह आयोजन केवल ध्वजारोहण का औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि खाकी के सम्मान, विभागीय एकजुटता और जनता के विश्वास को सर्वोपरि रखने की प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर बना।

भारत-नेपाल के बीच छारछुम मैत्री पुल शुरू, 200 किमी का चक्कर खत्म

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने किया उद्घाटन



नईदुनिया ब्यूरो,पिथौरागढ़: भारत और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों का करीब 200 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर अब समाप्त हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने सोमवार को दिल्ली से बटन दबाकर काली नदी पर बने छारछुम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मोटर पुल का आभासी माध्यम से उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद सबसे पहले भारत की ओर से एक वाहन नेपाल पहुंचा। इसके बाद नेपाल की ओर से कार सहित अन्य वाहन भारत आए।

पुल शुरू होने से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला और नेपाल के दार्चुला के बीच सीधा सड़क संपर्क स्थापित हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की आवाजाही आसान होगी। उद्घाटन के अवसर पर छारछुम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। रं समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य कर खुशी जताई।

करीब 33 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल की लंबाई 110 मीटर और चौड़ाई 10.50 मीटर है। इसमें 7.50 मीटर चौड़ा सड़क मार्ग बनाया गया है। भारत सरकार की वित्तीय सहायता से लोक निर्माण विभाग ने इसका निर्माण कराया है। जनवरी 2022 में केंद्र सरकार से योजना को मंजूरी मिली थी। एक फरवरी 2022 को दोनों देशों के बीच निर्माण के लिए समझौता हुआ और 19 सितंबर 2022 को संयुक्त रूप से शिलान्यास किया गया था। अगस्त 2022 में निर्माण शुरू हुआ और 2024 में पुल का मुख्य ढांचा तैयार हो गया था।

अब तक धारचूला और आसपास के लोगों को नेपाल के महेंद्रनगर पहुंचने के लिए बनबसा होकर करीब 200 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर करना पड़ता था। पुल शुरू होने से यह दूरी तय करने की परेशानी कम होगी। इससे मुनस्यारी और पाताल भुवनेश्वर आने वाले पर्यटक सीधे नेपाल जा सकेंगे। वहीं, नेपाल के बैतड़ी स्थित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर तक भारतीय श्रद्धालुओं की पहुंच भी आसान होगी।

पुल के साथ दोनों ओर संपर्क मार्ग, सीमा शुल्क और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली गई हैं। भारतीय क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए संपर्क सड़क बनाई गई है। सुरक्षा और सीमा शुल्क व्यवस्था के लिए सशस्त्र सीमा बल सहित अन्य एजेंसियों के लिए अस्थायी ढांचे तैयार किए गए हैं।

बैकुंठ चतुर्दशी मेले को मिलेगा राजकीय दर्जा, सीएम धामी ने की घोषणा

पौड़ी गढ़वाल। उत्तराखंड के श्रीनगर में आयोजित बैकुंठ चतुर्दशी मेले को अब राजकीय मेले का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मेले के शुभारंभ अवसर पर यह घोषणा की। उन्होंने महापौर आरती भंडारी की मांग पर यह निर्णय लेने की बात कही। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में विज्ञान नगरी विकसित करने, देहरादून के लिए जल्द हवाई सेवा शुरू करने और पंचप्रयाग के साथ धारी देवी मंदिर के निकट आधुनिक घाट बनाने की भी घोषणा की।

धामी ने कहा कि बैकुंठ चतुर्दशी मेला श्रीनगर की धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह मेला क्षेत्र की परंपराओं और आस्था से जुड़ा हुआ है।

राजकीय दर्जा मिलने के बाद इसके आयोजन को व्यापक स्तर पर व्यवस्थित करने और इसकी पहचान को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मेले के माध्यम से स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलता है।

आपका राशिफल 24 नवम्बर

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनों के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को ह

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक 1 8 9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे यो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर — भे जा जी खी जू जे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा शी सू से सो दा

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक 3 5 7

5.23 लाख महिलाओं को मिलेंगे 10-10 हजार

उत्तराखंड की महिलाओं के खातों में दिसंबर से पहुंचेगी आर्थिक सहायता



नईदुनिया राज्य ब्यूरो, देहरादून: उत्तराखंड सरकार बैणी-भुली योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 5.23 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये जमा करेगी। ग्राम्य विकास मंत्री भरत चौधरी ने बताया कि यह योजना की पहली किस्त होगी, जिसे चुनाव से पहले जारी किया जाएगा। दूसरी किस्त चुनाव के बाद दी जाएगी। सरकार महिलाओं को एक लाख से पांच लाख रुपये तक का ऋण देने की भी तैयारी कर रही है। इसके लिए पात्रता के मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

इससे पहले 17 नवंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जिले के पीपलकोटी में आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन में बैणी-भुली योजना की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि प्रदेश की पांच लाख से अधिक महिलाओं को इस योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह राशि दो किस्तों में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री ने पहली किस्त दिसंबर में जारी करने की बात कही थी, हालांकि उस समय प्रति महिला मिलने वाली राशि की जानकारी नहीं दी गई थी। अब ग्राम्य विकास मंत्री ने स्पष्ट किया है कि पहली किस्त में प्रत्येक पात्र महिला को 10 हजार रुपये मिलेंगे। दूसरी किस्त चुनाव के बाद दी जाएगी। योजना के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों के लिए एक लाख से पांच लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध कराने की भी योजना है। इसके लिए अलग-अलग पात्रता मानदंड रखे गए हैं। योजना के लाभार्थियों के चयन और ऋण वितरण से संबंधित विस्तृत जानकारी अभी सामने आना बाकी है। इसमें यह स्पष्ट होना है कि किन महिला समूहों और महिलाओं को सहायता मिलेगी तथा ऋण प्राप्त करने के लिए कौन-कौन सी शर्तें पूरी करनी होंगी। प्रदेश में महिला मतदाताओं की संख्या भी चुनाव के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 13 नवंबर को जारी प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार उत्तराखंड में कुल 72.78 लाख मतदाता दर्ज हैं। इनमें 34.84 लाख महिलाएं हैं।